

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फ़ाइल क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2023/07

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर द्वारा सोयाबीन फसल में जैविक कारकों के नियंत्रण हेतु ड्रोन का किया जायेगा प्रयोग

इंदौर, मध्य प्रदेश. विगत कई वर्षों से सोयाबीन फसल की औसत उत्पादकता लगभग 10-12 क्विंटल/हेक्टेयर पर स्थिर बनी हुई है . इसके प्रमुख कारणों में से जैविक कारक जैसे कीट, रोग तथा खरपतवार द्वारा लगभग 50-60 प्रतिशत नुकसान देखा गया है. कई बार लगातार होने वाली वर्षा से इसके लिए उपयुक्त रसायनों का छिड़काव तथा समय पर नियंत्रण संभव नहीं हो पाता. अतः इस स्थिति में ड्रोन का प्रयोग एक अच्छा विकल्प है. अतः भारत सरकार द्वारा कृषि में मशीनीकरण तथा आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के प्रयासों से भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा हाल ही में दो ड्रोन क्रय किये गए हैं जिनका सफल प्रदर्शन किया गया. इसके लिए संस्थान के निदेशक डॉ. के. एच. सिंह ने संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के साथ साथ सोयाबीन के सभी हितग्राहियों को बधाई प्रेषित की है.

ICAR-Indian Institute of Soybean Research, Indore to make use of Drone for spraying

Indore, Madhya Pradesh: The average productivity of soybean has been stabilized at around 10-12 q/ha since last few years mainly due to the incidences of insect-pest diseases and weeds together contributing about 50-60% yield losses. The incessant rains during the crop season do not allow spraying of plant protection chemicals for control of these biotic factors, Use of drone for spraying of the recommended insecticide-herbicide is one of the alternative which is promoted by the central government especially in the era of modern agriculture which facilitate use of machines. The institute today successfully conducted

demonstration on use of drone for conducting the necessary plant protection measures. The institute Director, Dr K. H. Singh on this occasion congratulated the scientists, staff and other stakeholders associated with soybean and hoped that this will help to manage the biotic factors causing yield losses in soybean.

